ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर से जुड़ेंगे मध्यप्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालय और विश्वविद्यालय

16 लाख विद्यार्थियों को मिलेगा ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर का लाभ: मंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश के सभी 528 शासकीय महाविद्यालय और 16 शासकीय विश्वविद्यालय भारत सरकार के एनआईसी के ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर से सीधे जुड़ेंगे। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इससे उच्च शिक्षा में अध्ययनरत प्रदेश के 16 लाख विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में मंत्रालय में एनआईसी और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने इस सम्बन्ध में एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री शैलेन्द्र सिंह, आयुक्त श्री दीपक सिंह, संचालक श्री सुनील सिंह, एनआईसी के उप महानिदेशक श्री अमर कुमार सिन्हा, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्री कमलेश जोशी, ई-ग्रंथालय प्रोजेक्ट के राज्य समन्वयक श्री जितेंद्र पाराशर उपस्थित रहे।

वर्तमान में देश के अधिकांशत: महत्वपूर्ण शासकीय शिक्षण संस्थान ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर से जुड़े हैं। यह मोबाइल पर भी उपलब्ध है। विद्यार्थी ऑनलाइन पंजीयन कर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं । महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों में उपलब्ध संसाधनों को इस पर अपलोड किया जा सकता है, जिसमें अन्य महाविद्यालय, विश्वविद्यालय उनका लाभ ले सकें। एनआईसी के अधिकारियों ने बताया कि सॉफ्टवेयर के उपयोग को लेकर महाविद्यालय की लाइब्रेरी में पदस्थ स्टाफ और प्राध्यापकों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।

महानिदेशक एवं वरीय अधिकारियों ने इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए शुभकामनाएं दी |

: संकलन श्री जितेंद्र पाराशर , वैज्ञानिक डी